भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †1795

सोमवार, 10 मार्च, 2025/19 फाल्गुन, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

केरल में पर्यटन विकास

†1795. श्री बैन्नी बेहनन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केरल राज्य में पर्यटन की उच्च संभावना को देखते हुए पर्यटन अवसंरचना विकास के लिए सरकार द्वारा आवंटित की जाने वाली संभावित विशेष निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त राज्य में विशेषकर वन अभ्यारण्यों और पश्चजल में इको-पर्यटन परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने वाली केन्द्रीय योजनाओं, यदि कोई हों, का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त राज्य में विशेषकर सबरीमाला और अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों के लिए तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का उक्त राज्य के और अधिक विरासत स्थलों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल करने का कोई प्रस्ताव है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार के पास केरल में आयुर्वेद-आधारित चिकित्सा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशिष्ट योजनाएं हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार द्वारा उक्त राज्य को 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद' योजनाओं के अंतर्गत प्रदान की गई वित्तीय सहायता का वर्षवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): इको-पर्यटन, धार्मिक पर्यटन और आयुर्वेद आधारित चिकित्सा पर्यटन सहित पर्यटक गंतव्यों और उत्पादों का विकास और संवर्धन संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन द्वारा किया जाता है। मंत्रालय विभिन्न योजनाओं और पहलों के माध्यम से केरल राज्य में इको-पर्यटन, धार्मिक पर्यटन और आयुर्वेद-आधारित चिकित्सा पर्यटन सहित देश के विभिन्न पर्यटन उत्पादों का विकास और संवर्धन करके राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रयासों को संपूरित करता है।

पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन' और 'राष्ट्रीय तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' नामक योजनाओं के तहत केरल में इको-पर्यटन और धार्मिक

स्थलों सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
वर्ष 2016-17 में, स्वदेश दर्शन योजना की आध्यात्मिक परिपथ थीम के तहत 46.54 करोड़ रुपये की लागत की 'सबरीमाला - एरुमेली - पंपा - सन्निधानम के विकास' नामक एक परियोजना को मंजूरी दी गई।

मंत्रालय ने गंतव्य-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी एवं जिम्मेदारीयुक्त गंतव्य के विकास के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के नाम से नया रूप दिया है। एसडी 2.0 योजना के तहत 'कुमारकोम पक्षी अभयारण्य अनुभव' के विकास के लिए 13.92 करोड़ रुपये की लागत की एक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास (एसएएससीआई) योजना के तहत भारत सरकार द्वारा 59.71 करोड़ रुपये की लागत वाली 'कोल्लम में अष्टमुडी जैव विविधता और इको-मनोरंजन हब' के विकास की एक परियोजना को मंजूरी दी गई है।

इको पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों के विकास की परियोजनाओं सहित स्वदेश दर्शन और प्रशाद योजनाओं के तहत केरल राज्य को आबंटित निधियों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रदत्त सूचना के अनुसार, विश्व धरोहर स्थल की संभावित सूची में केरल की 3 सम्पत्तियां हैं, उनके नाम इस प्रकार हैं:

i. मट्टनचेरी पैलेस, एर्णाकुलम,
ii. पद्मनाभपुरम पैलेस और
iii. सत्याग्रह स्थल, भारत का अहिंसक स्वतंत्रता आंदोलन (गुजरात, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, बिहार, मध्य प्रदेश, केरल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली)

पर्यटन मंत्रालय "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार (डीपीपीएच)" और "विदेशी संवर्धन और प्रचार (ओपीपी)" की अपनी योजनाओं के तहत विभिन्न पहलों के माध्यम से केरल में आयुर्वेद-आधारित चिकित्सा पर्यटन सहित देश के विभिन्न गंतव्यों और उत्पादों का समग्र तरीके से संवर्धन करता है। आयुर्वेद-आधारित चिकित्सा पर्यटकों की सुविधा के लिए ई-आयुष वीजा और ई-आयुष अटेंडेंट वीजा को ई-वीजा श्रेणियों के रूप में शामिल किया गया है। ई-वीजा योजना अब 167 देशों के नागरिकों के लिए उपलब्ध है। ई-वीजा 31 नामित हवाई अड्डों और 6 नामित बंदरगाहों के माध्यम से प्रवेश के लिए मान्य है।

*****

अनुबंध

श्री बैन्नी बेहनन द्वारा केरल में पर्यटन विकास के संबंध में दिनांक 10.03.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न संख्या †1795 के भाग (क) से (च) के उत्तर में **विवरण**

केरल राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

क्र.सं.	परिपथ	स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)	जारी/प्राधिकृत राशि* (करोड़ रु. में)
1	इको परिपथ	2015-16	पथ्थनमथिट्टा- गावी-वागामोन- थेक्कडी का विकास	64.08	64.08
2	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	सबरीमाला - एरुमेली-पंपा-सन्निधानम का विकास	46.54	33.39
3	आध्यात्मिक परिपथ	2016-17	श्री पद्मनाभ अर्नामुला का विकास	78.08	73.77
4	ग्रामीण परिपथ	2018-19	मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	57.35	45.88
5	आध्यात्मिक परिपथ	2018-19	शिवगिरीश्री नारायण गुरु आश्रम- अरुवीपुरम-कुन्नुमपाराश्री सुब्रह्मणिया-चेम्बाझंतीश्री नारायण गुरुकुलम विकास	66.42	42.01

* केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के लिए टीएसए मॉडल I के माध्यम से सीएनए को प्राधिकार की राशि शामिल है।

केरल राज्य में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	गंतव्य	अनुभव का नाम	स्वीकृत लागत (करोड़ रु. में)	स्वीकृति तिथि
1	कुमारकोम	कुमारकोम पक्षी अभयारण्य का अनुभव	13.92	05-03-2024

केरल राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत (करोड़ रु. में)	जारी राशि (करोड़ रु. में)
1	गुरुवायूर मंदिर में विकास	2016-17	45.19	45.19

*****